International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in December 2024, ISSN -2393-8048

# आधुनिक कृषि से उद्यानिकी में आर्थिक परिवर्तनः हनुमानगढ़ जिले का अध्ययन

किरण कौशिक, शोधार्थी, टांटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर
डॉ. दिनेश कुमार, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर

## परिचयात्मक शोध की भूमिका

हनुमानगढ़ जिला राजस्थान का कृषि प्रधान जिला है। जिले की भौगोलिक स्थिति $29^0 5'$ उत्तरी अक्षांश से $30^0 6'$ उत्तरी अक्षांश व $74^0 0'$ पूर्वी देशान्तर से $75^0 3'$पूर्वी देशान्तर के मध्य है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 9656.09 वर्ग किलोमीटर है।

शोध क्षेत्र में कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार के परिणामस्वरूप हनुमानगढ़ जिले ने आधुनिकता तौर तरीकों को अपनाया है। बागवानी विकास की कुंजी कुशल जल प्रबन्धन में छिपी है। फव्वारा व ड्रिप सिंचाई प्रयोग करके कम पानी से सर्वाधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। विधुत की जगह सौर ऊर्जा भी ड्रिप व फव्वारा सिंचाई में लाभकारी है। इससे कृषकों की आमदनी बढ़ी है व आधुनिक आर्थिक जीवन के समीप आ रहा है। चयनित क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों में सिंचाई सुविधाओं, भूमि उपयोग में सुधार व प्रबन्धन, बढ़ता यंत्रीकरण, आधुनिक प्राविधि, नवीन सिंचाई पद्धति, अधिक उपज देने वाले बीज, रासायनिक उर्वरक व पेस्टीसाइड से न केवल भू–उपयोग व गहनता व कृषि में परिवर्तन हुआ है बल्कि यहाँ उत्पादन व उत्पादकता में भी उतरोत्तर वृद्धि पाई गई है। बागवानी या उद्यानिकी से शोध क्षेत्र में उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि से प्रति व्यक्ति आय में भी व्यापक सुधार हुआ है जिससे शोध क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में भारी सुधार आया है। शोध जिले का राजस्थान की उद्यानिकी उत्पाद में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जिले में यातायात, शिक्षा, पेयजल सुविधाओं व चिकित्सा सुविधाओं में उतरोत्तर वृद्धि पाई गई है जो क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार का ही सूचक है।

**प्रस्तावित शोध के सोपान**

1. उद्यानिकी में नवीन तकनीक नवीन प्रौद्योगिकी नये किस्म के बीज, उर्वरक, जैविक खाद, कीटनाशक, सौर ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा इत्यादि का अधिकतम प्रयोग किया जावे एवं सरकार को इस पर अनुदान एवं सहायता मुहैया करवानी चाहिए।
2. उद्यानिकी में आर्थिक बदलाव से पर्यावरण सरंक्षण एवं संसाधन सदुपयोग का भी ध्यान रखा जाये।
3. अध्ययनरत जिले के दक्षिणी भाग (मरूस्थलीय भाग) में ओर उद्यान क्रियाएं एवं सहक्रियाओं का विकास किया जाये, जैसे शुष्क उद्यानिकी, डेयरी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गीपालन, नर्सरी, मत्स्यपालन इत्यादि।
4. जिले के असिंचित भू–भाग में कृषि विस्तार एवं सिंचाई विस्तार पर ध्यान दिया जावे एवं लोगों को बैंक ऋण, कृषि ऋण (KCC) की सहायता उपलब्ध करवायी जावे।
5. क्षेत्र में ओर उद्यान गतिविधि विकास हेतु अनुसंधान पर जोर दिया जावे एवं यहां के कृषकों को उद्यन सम्बन्धी जानकारी उद्यान विभाग द्वारा समय–समय पर दी जानी चाहिए।

**प्रस्तावित शोध का महत्त्व**

भारतीय कृषि में उद्यानिकी का बहुत महत्त्व है। मानव की मूलभूत आवश्यकता एवं उद्योग धन्धे उद्यानिकी पर आश्रित है। मानव के आर्थिक विकास में उद्यानिकी की बड़ी भूमिका है। उद्यानिकी से व्यक्ति की आय बढ़ी है एवं उस क्षेत्र में बड़ी–बड़ी ईमारतें, कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना बेरोजगारी में ह्रांस, राजनीति में प्रतिनिधित्व तथा उस क्षेत्र में विकास की झड़ी लग गयी है। उद्यानिकी की सहक्रियाओं मधुमक्खीपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, डेयरी, पैकिंग, नर्सरी, बीज निर्माण, प्रसंस्करण उद्योग इत्यादि से आय में वृद्धि हुई है। जिन लोगों ने उद्यान कृषि को अपनाया वे लोग अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहे हैं एवं ये लोग शहरों के पूँजीपतियों की तरह ऐसो–आराम की जिन्दगी जी रहे हैं। ऐसे लोगों का स्वास्थ्य, मानव विकास सूचकांक, आयु इत्यादि मानक उच्च पाये गये हैं। शोध जिले में सर्वेक्षण में सिंचित एवं असिंचित गाँवों से विभिन्न बिन्दुओं का स्थानीय लोगों से पूछताछ (प्रश्नावली) द्वारा समंक संकलन कर अध्ययन किया गया है। उद्यानिकी में नवीन तकनीक, उन्नत बीज, खाद, उन्नत किस्मों, कृषि यंत्रों इत्यादि का प्रयोग कर ओर आर्थिक परिवर्तन किया जा सकता है। भारतीय कृषि में उद्यानिकी का बड़ा महत्त्व है। उद्यानिकी न केवल जीविकोपार्जन का साधन है बल्कि कई उद्योग धन्धे भी इस पर आश्रित है।

**शोध कार्य के उद्देश्य**

1. उद्यानिकी से आर्थिक परिवर्तन के विभिन्न घटकों का विश्लेषण करना।
2. उद्यानिकी से आर्थिक बदलाव के कारकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. आर्थिक बदलाव का क्षेत्रीय विकास एवं भावी योजनाओं में महत्त्व।

4. कृषि (परम्परागत कृषि) को छोड़ गैर परम्परागत कृषि के लाभकारी पहलू का अध्ययन करना।

**निष्कर्ष**

सार रूप में हम कह सकते हैं कि चयनित जिले में उद्यान कृषि से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है जिससे कृषक की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन हुआ है। उद्यानिकी से यातायात के साधनों में वृद्धि हुई है पहले कृषि कार्य पशुओं, मानव श्रम से ही होते थे किन्तु अब ट्रेक्टरों, कम्बाइनों, कम्प्यटरीकृत लेवलर, उन्नत थ्रेसर, ड्रिलर, इंजन, विद्युत इत्यादि द्वारा शीघ्र हो जाता है। जिले में पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सालय केन्द्रों में काफी वृद्धि हुई है क्योंकि उद्यान कृषि से लोगों की आय में वृद्धि हुई है। वृद्धि से लोगों ने राजनीति में प्रतिनिधित्व शुरूकर दिया और अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक सुविधाओं की झड़ी लगा दी है। अतः उद्यानिकी से लोगों का आर्थिक परिवर्तन हुआ है।

**सन्दर्भ सूची**


- दास गुप्ता ए.के. 1973: स्टडीज इन युटिलाइजेशन ऑफ एग्रीकल्चर लैंड एण्ड इकोनोमिक्स डेवेलोपमेन्ट इन इण्डिया, नई दिल्ली।
- खींची एस.एस. एवं कुम्हार जगदीश चन्द्र 2021 : उद्यानिकी कृषि में जल संसाधनों का उचित प्रबन्धन (हनुमानगढ़ जिला राजस्थान) के सन्दर्भ में, Research Journey (Int.E- Research Journal) Vol.-VIII, Issue-I (A), E-ISSN:2348-7143, January- March 2021, पृष्ठ– 187–190
- खींची एस.एस. एवं कुम्हार जगदीश चन्द्र 2021: सब्जियों कि कृषि : हनुमानगढ़ जिला (राजस्थान) एक प्रतीक अध्ययन, Review of Research, Vol.-10, Issue-7, ISSN: 2249-894X , April 2021, पृष्ठ 1–9
- खींची एस.एस. 2018 : उद्यानिकी कृषि विकास, लुलु पब्लिकेशन्स, यू.एस.ए.।
- मिश्रा एस.पी.: जल संसाधन प्रबन्धन एवं संरक्षण, आविष्कार पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर।
- श्रीवास्तव आर.सी. एवं कुम्हार जगदीश चन्द्र 2021 : हनुमानगढ़ जिले में उद्यानिकी उत्पादन एवं उपज का स्वरूप : एक अध्ययन, Anthology: The Research, vol.-5 Issue-10, ISSN: 2456-4397, January 2021, पृष्ठ–26–27
- श्रीवास्तव आर.सी. एवं कुम्हार जगदीश चन्द्र 2021 : हनुमानगढ़ जिले में गैर परम्परागत कृषिः एक भौगोलिक अध्ययन, Innovation the Research concept, vol.-5, Issue-12, ISSN:2456-5474, January 2021, पृष्ठ 32–43
- शर्मा, लक्ष्मीनारायण (1990) : शुष्क सम्भाग की कृषि पारिस्थितिकी पर सिंचाई का प्रभाव।
- सहायक निदेशक, जिला सांख्यिकी रूपरेखा हनुमानगढ़।
- उद्यान विभाग, हनुमानगढ़ ।
- कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया।